**<u>प्रेस विज्ञप्ति</u>**

**06-11-2026**

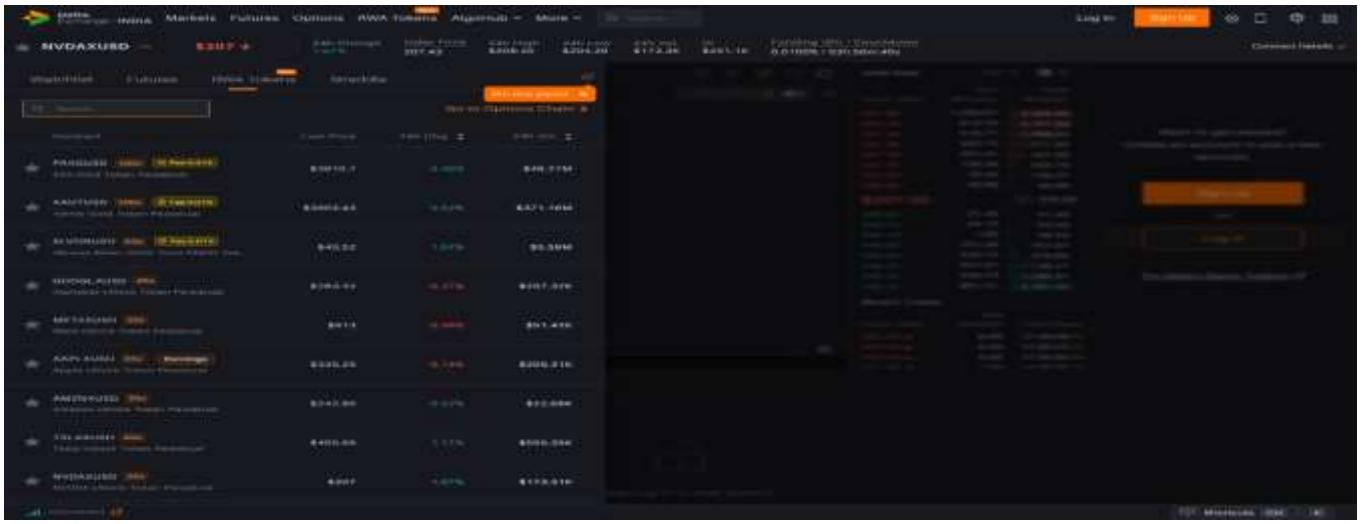
प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), बेंगलुरु आंचलिक कार्यालय ने क्रिप्टो एक्सचेंज कॉइनडीसीएक्स और डेल्टा एक्सचेंज से संबंधित मामले में क्रिप्टो टोकन तथा वास्तविक विश्व परिसंपत्ति (आरडब्ल्यूए) टोकन में डेरिवेटिव ट्रेडिंग के माध्यम से अनधिकृत सीमा-पार वित्तीय लेन-देन किए जाने के आरोपों के संबंध में विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा), 1999 की धारा 37 के अंतर्गत दिनांक 04 एवं 05.11.2026 को बेंगलुरु स्थित 3 परिसरों में तलाशी अभियान चलाया।

ईडी ने मेसर्स नेब्लियो टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड, जो "कॉइनडीसीएक्स" नामक प्लेटफॉर्म का संचालन करती है, तथा मेसर्स एक्सेलियम टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड, जो "डेल्टा एक्सचेंज" नामक प्लेटफॉर्म का संचालन करती है, द्वारा बड़े पैमाने पर फेमा उल्लंघन किए जाने के आरोपों से संबंधित प्राप्त सूचना के आधार पर जाँच शुरू की। ये प्लेटफॉर्म क्रिप्टो टोकन में डेरिवेटिव ट्रेडिंग अर्थात फ्यूचर्स एवं ऑप्शंस तथा आरडब्ल्यूए टोकन में ट्रेडिंग जैसे उत्पाद उपलब्ध करा रहे थे। ये प्लेटफॉर्म विदेशी संस्थाओं के टोकनाइज्ड शेयरों में ट्रेडिंग का खुले तौर पर विज्ञापन भी कर रहे थे, जबकि ऐसा करने के लिए वे अधिकृत नहीं थे।

निदेशालय द्वारा की गई गोपनीय पूछताछ एवं एकत्रित खुफिया जानकारी से पता चला कि ये प्लेटफॉर्म विदेशी क्रिप्टो ट्रेडिंग प्लेटफॉर्मों, जैसे बाइनेंस, कूकॉइन, गेट.आईओ, बायबिट आदि पर डेरिवेटिव ट्रेडिंग और टोकनाइज्ड शेयरों में ट्रेडिंग करने के लिए यूएसडीटी जैसे स्टेबल कॉइन का उपयोग कर रहे थे।

इन संस्थाओं द्वारा प्रकाशित कुछ विज्ञापन निम्नानुसार हैं:




तलाशी अभियान से पता चला कि कॉइनडीसीएक्स और डेल्टा एक्सचेंज, दोनों ही अपने ग्राहकों को स्पॉट ट्रेडिंग, क्रिप्टो टोकन पर आधारित डेरिवेटिव ट्रेडिंग अर्थात फ्यूचर्स एवं ऑप्शंस तथा टोकनाइज्ड शेयरों में ट्रेडिंग के उत्पाद उपलब्ध करा रहे थे।

**कॉइनडीसीएक्स**

कॉइनडीसीएक्स के परिसरों पर की गई तलाशी से पता चला कि यह प्लेटफॉर्म क्रिप्टो में स्पॉट ट्रेडिंग, क्रिप्टो टोकन में फ्यूचर्स एवं ऑप्शंस की ट्रेडिंग तथा विदेशी कंपनियों के टोकनाइज्ड शेयरों में ट्रेडिंग की सुविधा उपलब्ध करा रहा है।

तलाशी के दौरान एकत्रित साक्ष्यों से प्लेटफॉर्म के उपर्युक्त उत्पादों में फेमा, 1999 के बड़े पैमाने पर उल्लंघन का पता चला। इसकी कार्यप्रणाली निम्नानुसार है:

**स्पॉट ट्रेडिंग में दोहरे चरण का लेन-देन (डबल हॉप ट्रांजेक्शंस)**

तलाशी के दौरान एकत्रित साक्ष्यों से पता चला कि कुछ क्रिप्टो टोकनों में ग्राहकों के ऑर्डर पूरे करने के लिए प्लेटफॉर्म द्वारा उपयोगकर्ताओं की धनराशि को यूएसडीटी में परिवर्तित करके बाइनेंस, कूकॉइन, गेट.आईओ आदि विदेशी क्रिप्टो ट्रेडिंग प्लेटफॉर्मों के माध्यम से भेजा जा रहा है। इस प्रकार के लेन-देन का प्रवाह निम्नानुसार है:

(क) उपयोगकर्ता भारतीय रुपये (आईएनआर) जमा करता है।

(ख) उपयोगकर्ता स्पॉट ट्रेडिंग के लिए ऑर्डर देता है।

(ग) भारतीय रुपये को स्टेबल कॉइन अर्थात यूएसडीटी में परिवर्तित किया जाता है।

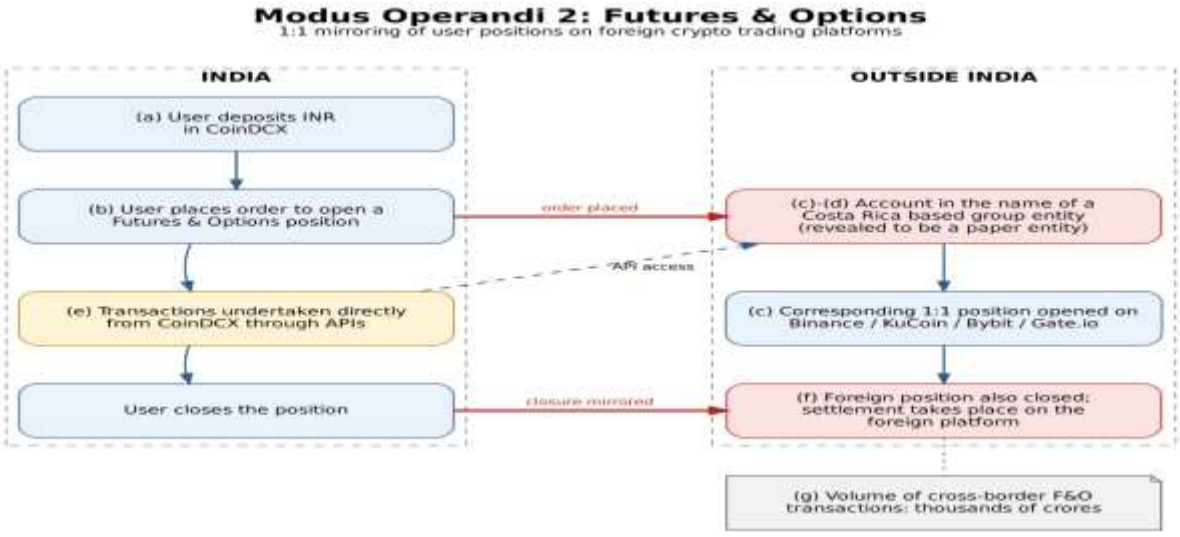
(घ) ऑर्डर निष्पादित करने के लिए स्टेबल कॉइन अर्थात यूएसडीटी को बाइनेंस, कूकॉइन, गेट.आईओ आदि प्लेटफॉर्मों पर भेजा जाता है।

(ङ) बाइनेंस, कूकॉइन, गेट.आईओ आदि को धनराशि का ऐसा अंतरण सीमा-पार धन अंतरण के लिए निर्धारित ढाँचे को दरकिनार करके किया जा रहा है।

(च) एकत्रित साक्ष्यों से पता चला कि ऐसे लेन-देन विदेशी क्रिप्टो ट्रेडिंग प्लेटफॉर्मों पर कोस्टा रिका स्थित एक संस्था के नाम से खोले गए खाते के माध्यम से किए जा रहे हैं, जो एक कागजी संस्था पाई गई है।

(छ) वास्तव में, ये लेन-देन कॉइनडीसीएक्स से सीधे एप्लिकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफेस (एपीआई) के माध्यम से किए जा रहे हैं।

(ज) एकत्रित साक्ष्यों से पता चलता है कि इस प्रकार के सीमा-पार स्पॉट ट्रेडिंग लेन-देन का कुल परिमाण **हजारों करोड़ रुपये** तक पहुँच रहा है।




**फ्यूचर्स एवं ऑप्शंस**

तलाशी अभियान से पता चला कि कॉइनडीसीएक्स द्वारा उपलब्ध कराए जा रहे फ्यूचर्स एवं ऑप्शंस ट्रेडिंग उत्पादों का वास्तविक निष्पादन बाइनेंस, बायबिट, कूकॉइन, गेट.आईओ आदि विदेशी क्रिप्टो ट्रेडिंग प्लेटफॉर्मों पर किया जा रहा है। इसकी कार्यप्रणाली निम्नानुसार पाई गई:

(क) उपयोगकर्ता कॉइनडीसीएक्स में भारतीय रुपये जमा करता है।

(ख) उपयोगकर्ता फ्यूचर्स एवं ऑप्शंस में पोजीशन खोलने के लिए ऑर्डर देता है।

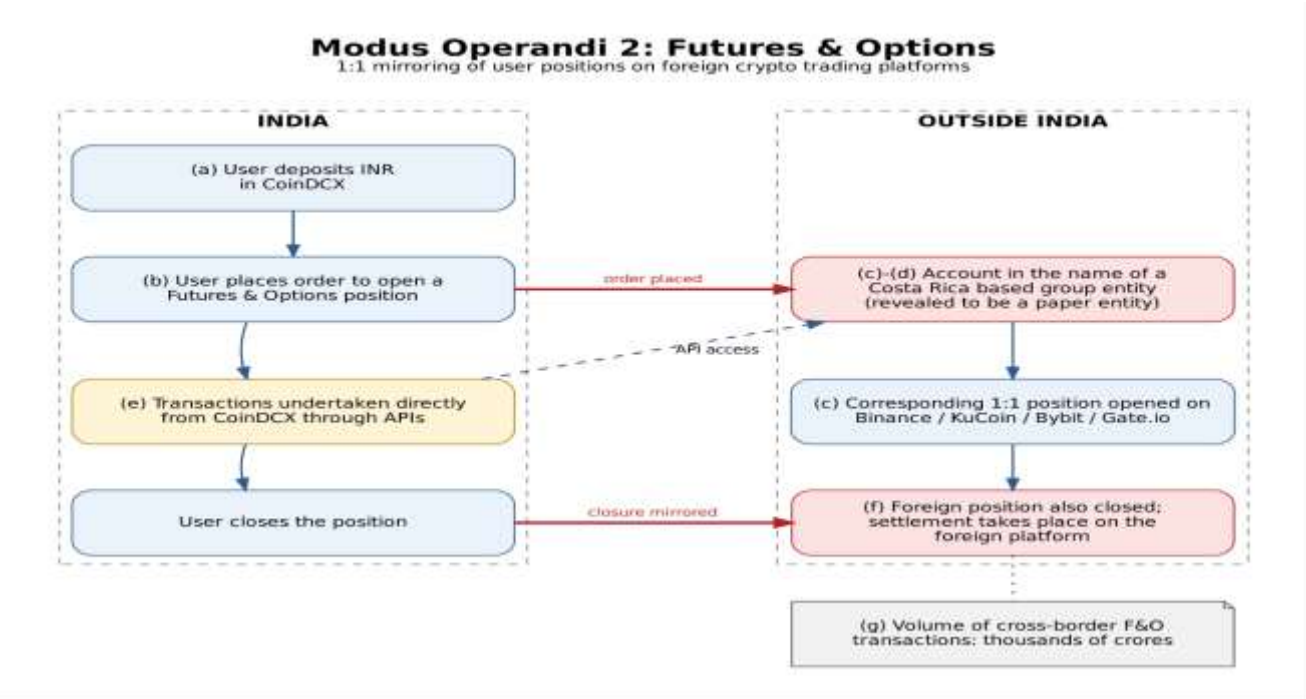
(ग) कॉइनडीसीएक्स, कोस्टा रिका स्थित समूह की एक संस्था के नाम से खोले गए अपने खाते के माध्यम से, उपयोगकर्ता के ऑर्डर के अनुरूप बाइनेंस, कूकॉइन, बायबिट, गेट.आईओ पर 1:1 अनुपात में पोजीशन खोलता है।

(घ) उक्त संस्था एक कागजी संस्था पाई गई है।

(ङ) वास्तव में, ये लेन-देन कॉइनडीसीएक्स से सीधे एप्लिकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफेस (एपीआई) के माध्यम से किए जा रहे हैं।

(च) उपयोगकर्ता द्वारा पोजीशन बंद किए जाने पर विदेशी क्रिप्टो ट्रेडिंग प्लेटफॉर्मों पर निपटान किया जाता है, क्योंकि इन प्लेटफॉर्मों पर खोली गई संबंधित पोजीशन भी बंद कर दी जाती हैं।

(छ) एकत्रित साक्ष्यों से पता चलता है कि इस प्रकार के सीमा-पार फ्यूचर्स एवं ऑप्शंस लेन-देन का कुल परिमाण हजारों करोड़ रुपये तक पहुँच रहा है।




## टोकनाइज्ड शेयरों में ट्रेडिंग

तलाशी अभियान से पता चला कि कॉइनडीसीएक्स विदेशी कंपनियों, जैसे एप्पल, गूगल, टेस्ला आदि के टोकनाइज्ड शेयरों में ट्रेडिंग की सुविधा उपलब्ध करा रहा है। तलाशी के दौरान एकत्रित साक्ष्यों से पता चला कि टोकनाइज्ड शेयरों में ऐसी ट्रेडिंग वास्तव में डेरिवेटिव ट्रेडिंग है, जो हाइपरलिक्विड नामक विदेशी विकेंद्रीकृत क्रिप्टो ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म पर की जा रही है।

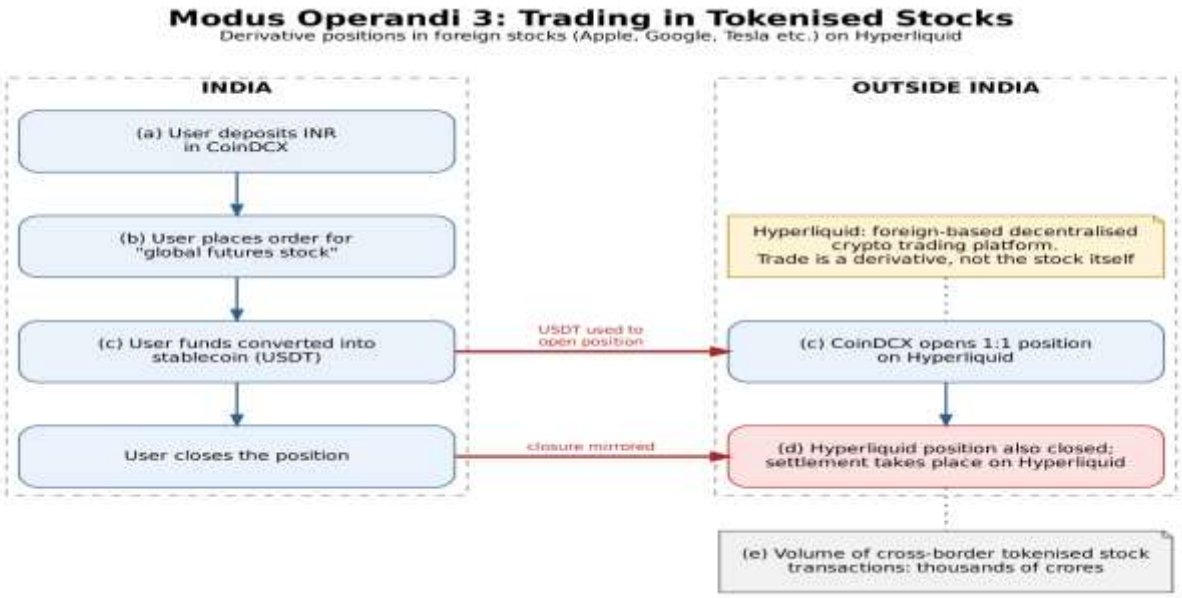
(क) उपयोगकर्ता कॉइनडीसीएक्स में भारतीय रुपये जमा करता है।

(ख) उपयोगकर्ता वैश्विक फ्यूचर्स शेयरों में ट्रेडिंग के लिए ऑर्डर देता है।

(ग) कॉइनडीसीएक्स उपयोगकर्ता की धनराशि को स्टेबल कॉइन अर्थात यूएसडीटी में परिवर्तित करके हाइपरलिक्विड पर उपयोगकर्ता के ऑर्डर के अनुरूप 1:1 अनुपात में पोजीशन खोलता है। हाइपरलिक्विड पर पोजीशन खोलने के लिए इसी यूएसडीटी का उपयोग किया जाता है।

(घ) उपयोगकर्ता द्वारा पोजीशन बंद किए जाने पर हाइपरलिक्विड पर निपटान किया जाता है, क्योंकि इस प्लेटफॉर्म पर खोली गई संबंधित पोजीशन भी बंद कर दी जाती है।

(ङ) एकत्रित साक्ष्यों से पता चलता है कि टोकनाइज्ड शेयरों में इस प्रकार के सीमा-पार लेन-देन का कुल परिमाण हजारों करोड़ रुपये तक पहुँच रहा है।



तलाशी अभियान से पता चला कि कॉइनडीसीएक्स के विदेशी क्रिप्टो ट्रेडिंग प्लेटफॉर्मों पर एंटरप्राइज ट्रेडिंग खाते हैं, जिनमें क्रिप्टो परिसंपत्तियाँ रखी गई हैं। ऐसा करना फेमा, 1999 के प्रावधानों का उल्लंघन है।

तलाशी अभियान से यह भी पता चला कि कॉइनडीसीएक्स विदेशी क्रिप्टो ट्रेडिंग प्लेटफॉर्मों को लेन-देन शुल्क के रूप में सैकड़ों करोड़ रुपये का भुगतान कर रहा है, जो उसके व्यावसायिक व्यय हैं। हालाँकि, ऐसे लेन-देन शुल्क का भुगतान फेमा, 1999 के अंतर्गत निर्धारित ढाँचे का उल्लंघन करते हुए यूएसडीटी जैसे स्टेबल कॉइन के माध्यम से किया जा रहा है।

**डेल्टा एक्सचेंज इंडिया**

इस प्लेटफॉर्म का संचालन मेसर्स एक्सेलियम टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किया जाता है। डेल्टा एक्सचेंज इंडिया अपने ग्राहकों को स्पॉट ट्रेडिंग, क्रिप्टो टोकन में फ्यूचर्स एवं ऑप्शंस तथा विदेशी कंपनियों के टोकनाइज्ड शेयरों में ट्रेडिंग के उत्पाद उपलब्ध कराता है।

समूह के स्वामित्व वाले दो परिसरों में की गई तलाशी से निम्नलिखित तथ्य सामने आए:

(क) डेल्टा एक्सचेंज इंडिया द्वारा की जा रही डेरिवेटिव ट्रेडिंग अर्थात फ्यूचर्स एवं ऑप्शंस तथा टोकनाइज्ड शेयरों में ट्रेडिंग का एक बड़ा हिस्सा वास्तव में कॉइनडीसीएक्स के माध्यम से किया जा रहा था।

(ख) कॉइनडीसीएक्स द्वारा इन लेन-देन को आगे बाइनेंस, कूकॉइन, गेट.आईओ, बायबिट आदि विदेशी क्रिप्टो ट्रेडिंग प्लेटफॉर्मों पर फेमा, 1999 के प्रावधानों का उल्लंघन करते हुए निष्पादित किया जा रहा था।

(ग) ऐसे सीमा-पार लेन-देन का परिमाण कई हजार करोड़ रुपये पाया गया है।

तलाशी अभियान से यह भी पता चला कि डेल्टा एक्सचेंज इंडिया द्वारा विदेशों में स्थित अपनी संबद्ध संस्थाओं को सैकड़ों करोड़ रुपये अंतरित किए जा रहे हैं, जिसकी जाँच की जा रही है।

तलाशी अभियान से यह भी पता चला कि इन प्लेटफॉर्मों द्वारा उपलब्ध कराए जा रहे फिनटेक उत्पाद प्रथम दृष्टया प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956, सेबी अधिनियम, 1992, आरबीआई अधिनियम, 1934 आदि में निर्धारित मानदंडों के विपरीत प्रतीत होते हैं। इस संबंध में आगे जाँच की जा रही है।

आगे की जाँच जारी है।